बुधवार
25 मार्च, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
• सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
• स्मार्ट क्लास
• सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
• कंप्यूटर क्लास

वर्ष 2, अंक 51 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नालंदा विश्वविद्यालय की भागीदारी, भारत-रूस सांस्कृतिक सहयोग पर जोर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर" में नालंदा विश्वविद्यालय ने अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी दर्ज कराई। इस सम्मेलन का आयोजन रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। कार्यक्रम में भारत-रूस संबंधों को मजबूत बनाने और सहयोग के नए आयामों पर चर्चा की गई, जिसमें कई नीति निर्माता, विद्वान, राजनयिक और संस्थागत प्रतिनिधि शामिल हुए।सम्मेलन का उद्घाटन भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के ऑनलाइन संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और रूस के बीच सहयोग को नए ढांचे के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत और रूस के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, बेहतर कनेक्टिविटी और व्यापारिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की आवश्यकता बताई। साथ ही ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से सहयोग के नए मॉडल विकसित करने की भी बात कही।

सम्मेलन में नालंदा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व बौद्ध अध्ययन, दर्शन और तुलनात्मक धर्म स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. प्रांशु समदर्शी ने किया। उन्होंने "संस्कृति में सहयोग का विकास" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लेते हुए बौद्ध विरासत को भारत और रूस के बीच महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सेतु बताया।

उन्होंने कहा कि अनुवाद परियोजनाओं, शैक्षणिक आदान-प्रदान और सांस्कृतिक सहयोग के माध्यम से दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत किया जा सकता है। नालंदा विश्वविद्यालय वैश्विक मंचों पर भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रपति के राजगीर दौरे को लेकर क्षेत्र अस्थायी रेड जोन, ड्रोन उड़ाने पर रोक

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। भारत के राष्ट्रपति के आगामी राजगीर दौरे को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि 31 मार्च 2026 को नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर में आयोजित दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के शामिल होने तथा नालंदा खंडहर के परिभ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक नालंदा द्वारा सूचित किया गया है कि राष्ट्रपति की सुरक्षा से जुड़े ब्लू-बुक में दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों को अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित करना आवश्यक है। सुरक्षा कारणों से ड्रोन, हॉट एयर बैलून, पैरा मोटर्स, पैरा ग्लाइडर, पावर्ड हैंड ग्लाइडर सहित सभी प्रकार के गैर पारंपरिकउड़ने वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रशासन के अनुसार राष्ट्रपति के राजगीर अनुमंडल क्षेत्र में भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सभी निर्धारित कार्यक्रम स्थल और उनके आसपास के क्षेत्रों को अस्थायी रूप से रेड जोन और नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सुनिश्चित करना है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी राजगीर और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजगीर को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

चैती छठ पर मोरा तालाब में उमड़ा आस्था का सैलाब, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे हजारों श्रद्धालु

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।चैती छठ महापर्व के अवसर पर नालंदा जिले के विभिन्न छठ घाटों पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। पहले अर्घ्य के दिन जिले के कई घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु और छठव्रती जुटे। रहुई प्रखंड स्थित मोरा तालाब सहित जिले के प्रमुख छठ घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे वातावरण में भक्ति का रंग घुल गया।

रहुई प्रखंड के मोरा तालाब, बाबा मणिराम अखाड़ा घाट, सोहसराय स्थित सूर्य मंदिर तालाब, औंगारी धाम तथा बड़गांव छठ घाट समेत कई स्थानों पर छठव्रतियों ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ डूबते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति के लिए भगवान भास्कर से प्रार्थना की।

छठ घाटों पर शाम ढलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी। घाटों पर पारंपरिक गीतों और छठ मइया के भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। व्रती महिलाएं सिर पर दउरा और सूप में प्रसाद लेकर घाटों पर पहुंचीं और सूर्यास्त के समय जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने छठ मइया और सूर्य देव की जयकारों से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

छठव्रती अंशु सिंह और दिव्या कुमारी ने बताया कि छठ पूजा आस्था, शुद्धता और अनुशासन का महापर्व है। इस पर्व में व्रती चार दिनों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए भगवान सूर्य और छठ मइया की आराधना करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्व को लेकर सभी व्रती पूरे मनोयोग और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं।छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से घाटों पर सुरक्षा और सुविधा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पानी की गहराई को ध्यान में रखते हुए घाटों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी, ताकि कोई दुर्घटना न हो सके। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की गई थी।

व्रती महिलाओं की सुविधा के लिए कई घाटों पर अस्थायी कपड़ा परिवर्तन कक्ष (चेंजिंग रूम) की व्यवस्था की गई थी। वहीं स्वास्थ्य संबंधी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम और प्राथमिक उपचार की भी व्यवस्था की गई थी। प्रशासनिक अधिकारी लगातार घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

इस अवसर पर राजगीर के जदयू विधायक कौशल किशोर और जदयू के प्रवक्ता भवानी सिंह भी मोरा तालाब छठ घाट पहुंचे। उन्होंने भी श्रद्धालुओं के साथ डूबते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया और प्रदेश तथा जिले की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

विधायक कौशल किशोर ने कहा कि छठ पर्व हिंदू धर्म का सबसे पवित्र और महान त्योहार है, जो साल में दो बार कार्तिक और चैत माह में मनाया जाता है। चैती छठ का भी अपना विशेष महत्व है। उन्होंने भगवान सूर्य से बिहार की समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की।

पहले अर्घ्य के दौरान छठ घाटों पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़, छठ गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। अब श्रद्धालु बुधवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर इस महापर्व का समापन करेंगे।

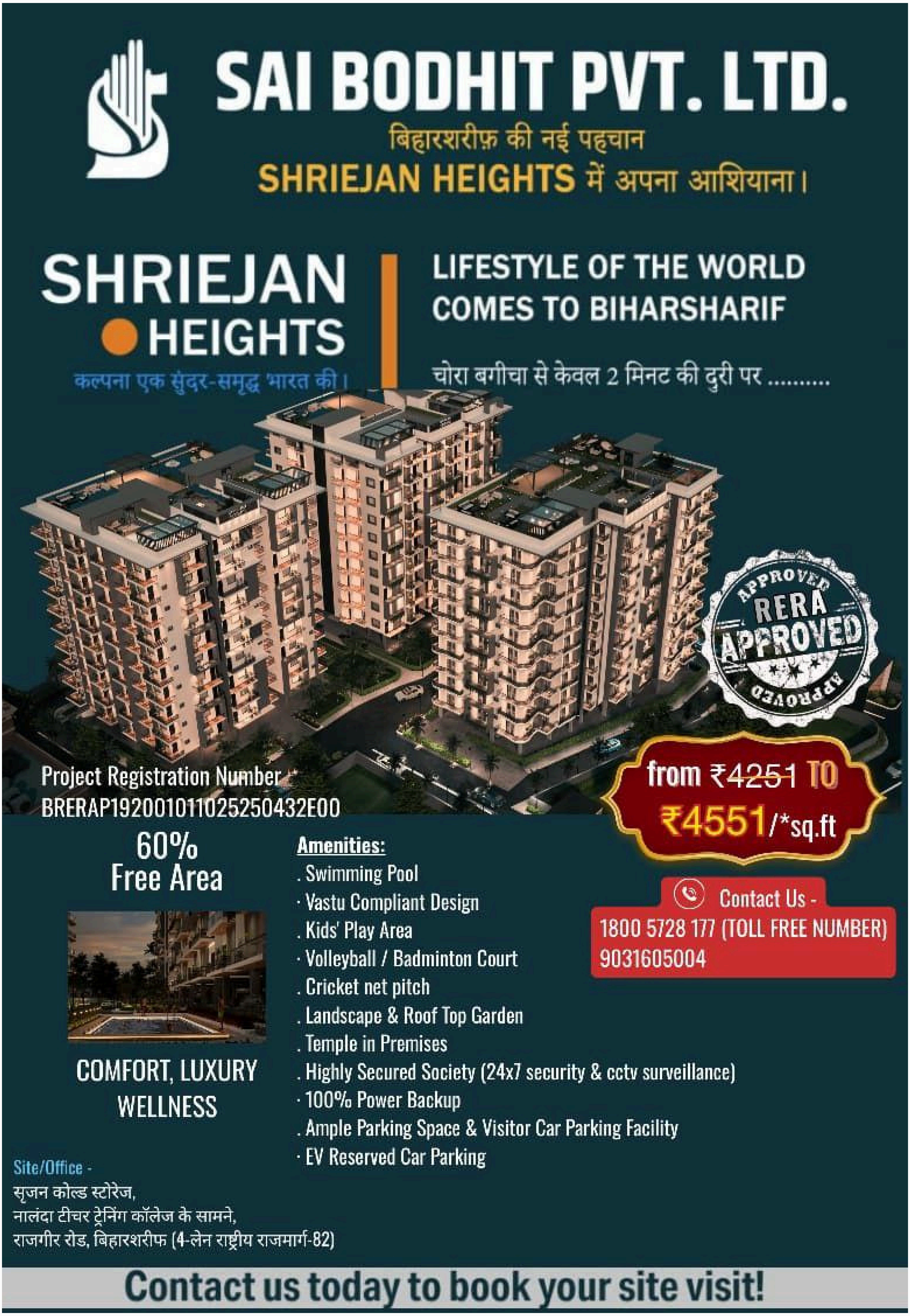
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
RERA APPROVED
Project Registration Number
BRERAP192001011025250432E00
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

आरटीआई की जानकारी नहीं देने पर सिलाव के कार्यपालक पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप में नगर पंचायत सिलाव के लोक सूचना पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी है। इस संबंध में पटना निवासी रोहित कुमार ने अनुमंडलीय दंडाधिकारी राजगीर को लिखित आवेदन देकर मामले की जांच और प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है।

आवेदन में रोहित कुमार ने बताया कि उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत नगर पंचायत सिलाव से कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी थीं, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद उन्हें सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद उन्होंने अनुमंडलीय दंडाधिकारी राजगीर के समक्ष प्रथम अपील दायर की।परिवादी के अनुसार, अनुमंडलीय दंडाधिकारी ने आईडी वाद संख्या 92/25-26 के तहत 28 फरवरी 2026 को आदेश जारी करते हुए संबंधित पदाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अब तक उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रोहित कुमार का आरोप है कि जब वे नगर पंचायत कार्यालय जाकर जानकारी लेने पहुंचे तो संबंधित पदाधिकारी ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की। उन्होंने अपने आवेदन में कहा है कि यह व्यवहार न केवल अनुमंडलीय दंडाधिकारी के आदेश की अवहेलना है, बल्कि सरकारी सेवा आचरण नियमों का भी उल्लंघन है।

उन्होंने अनुमंडलीय दंडाधिकारी से मामले की गंभीर जांच कर संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और सिलाव थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है। इस मामले को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा तेज हो गई है।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

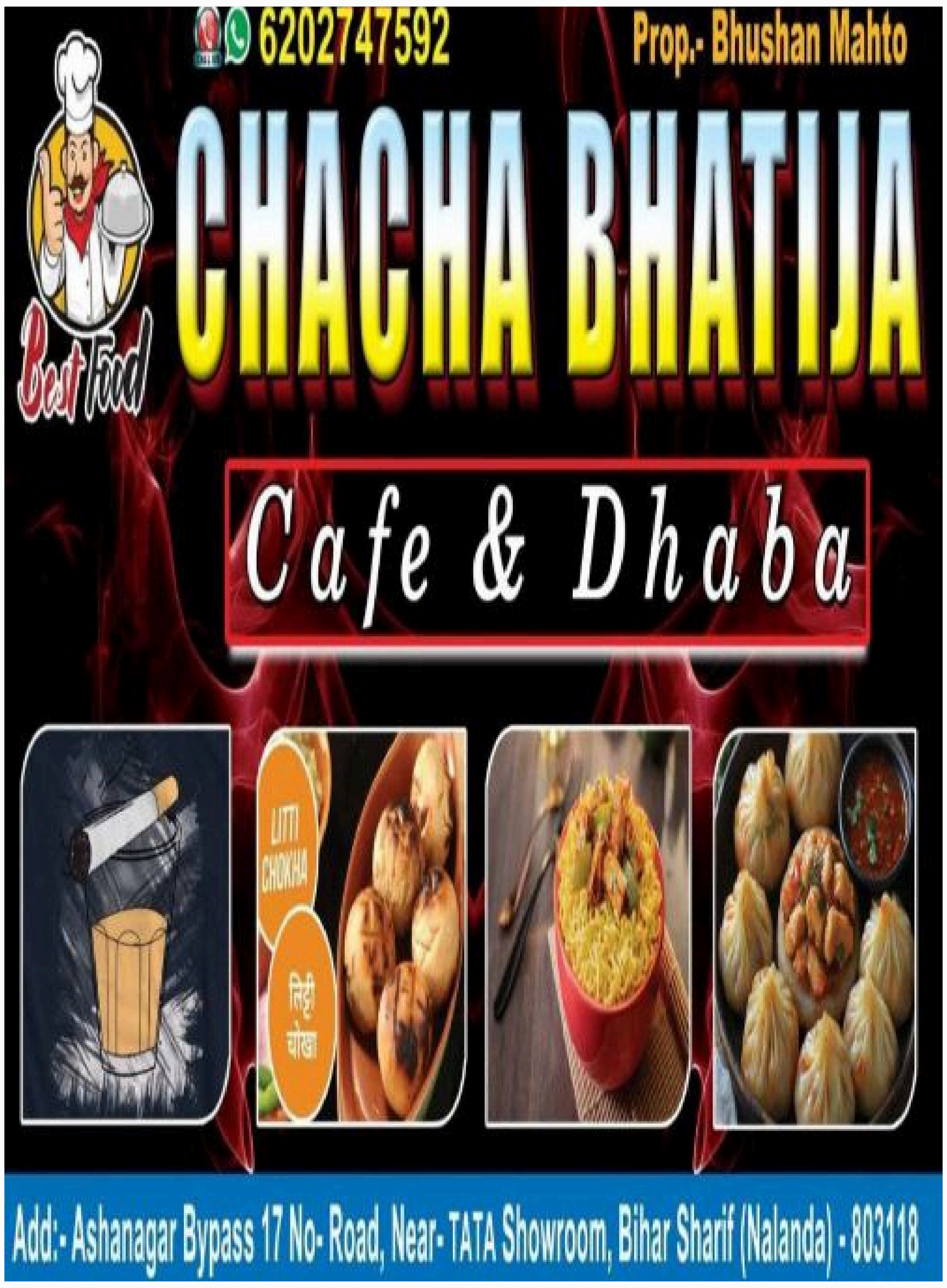

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen
✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels
✓ Modern design, storage

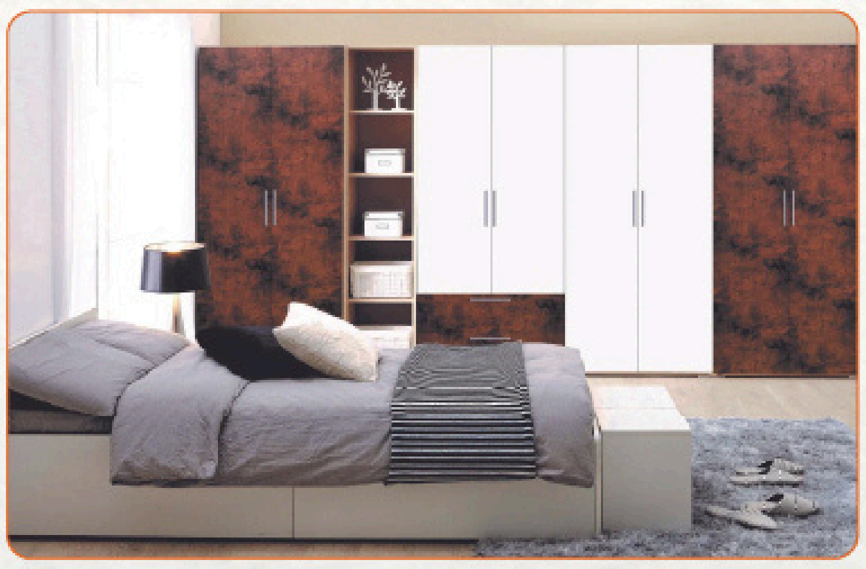

Wardrobes & Closets
✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities
✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578
www.kalopehomes.com
Patna, Bihar

गैस किल्लत और महंगाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, मोदी का पुतला दहन

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती महंगाई के विरोध में मंगलवार को नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यालय से शुरू हुआ विरोध मार्च भैंसासुर मोड़ होते हुए अस्पताल चौक पहुंचा, जहां जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और रसोई गैस, पेट्रोल तथा डीजल के दाम बढ़ने से आम जनता का जीवन कठिन हो गया है। महंगाई की मार से गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्गीय परिवार बुरी तरह प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है और लोगों को रोजमर्रा के खर्च पूरे करनेमें परेशानी हो रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश प्रसाद अकेला ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लगातार देश के ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए जनता की आवाज बनकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है।

बिहार प्रदेश के पर्यवेक्षक राजीव मिश्रा ने कहा कि जिले में गैस की किल्लत और महंगाई को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। यदि केंद्र सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है तो कांग्रेस गांव-गांव जाकर जन आंदोलन चलाएगी।

इस मौके पर मो. सरफराज मालिक, मो. इम्तियाज आलम, रमेश पासवान, अजय कुमार पांडेय, हुमायूं अंसारी, इंजीनियर टीपू, उस्मान गनी, सोनू आलम समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामनवमी पर बिहारशरीफ में निकलेगी भव्य शोभायात्रा, विधायक डॉ. सुनील कुमार करेंगे नेतृत्व

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।रामनवमी के पावन अवसर पर 27 मार्च को बिहारशरीफ में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा का नेतृत्व बिहारशरीफ के विधायक डॉ. सुनील कुमार करेंगे। यह शोभायात्रा श्रम कल्याण मैदान से प्रारंभ होकर भराव होते हुए पुल पर के रास्ते बाबा मणिराम अखाड़ा तक पहुंचेगी।

इस संबंध में मंगलवार को बाबा मणिराम अखाड़ा परिसर में आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा बैठक सह प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें शोभायात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रशासन की ओर से शोभायात्रा के आयोजन की स्वीकृति दे दी गई है और इसके सफल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

समिति के सदस्यों ने स्पष्ट किया कि शोभायात्रा के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह है। प्रतिबंध रहेगा। जुलूस में केवल साउंड सिस्टम के माध्यम से भगवान श्रीराम के भक्ति गीतों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति की ओर से शहरवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शोभायात्रा को भव्य और सफल बनाएं।

उन्होंने बताया कि इस बार शोभायात्रा को और आकर्षक बनाने के लिए बाहर से कलाकारों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। कलाकारों द्वारा विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जिससे शोभायात्रा की भव्यता और बढ़ेगी।

इधर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों से भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में शोभायात्रा को संपन्न कराने की अपील की

सरकारी योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचे: समीक्षा बैठक में बीईओ का निर्देश

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड के बीआरसी भवन परिसर स्थित सभागार में मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमरजीत प्रसाद ने की। बैठक में विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक व्यवस्था तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमरजीत प्रसाद ने कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ हर हाल में बच्चों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से मध्याह्न भोजन योजना को लेकर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाए और इसकी नियमित निगरानी की जाए।उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यालयों में वर्गानुसार पढ़ाई का संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी शिक्षकों को नियमित रूप से पाठ टीका तैयार कर उसी के अनुरूप कक्षाओं का संचालन करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान विद्यालयों में नामांकन, उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने सभी प्रधानाध्यापकों को विद्यालयों में अनुशासन और शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

इस मौके पर लेखा सहायक उमाकांत प्रसाद, प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार, संजय कुमार वर्मा, सतीश कुमार, शिवनंदन प्रसाद, अजय प्रसाद, धर्मेंद्र कुमार सहित प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

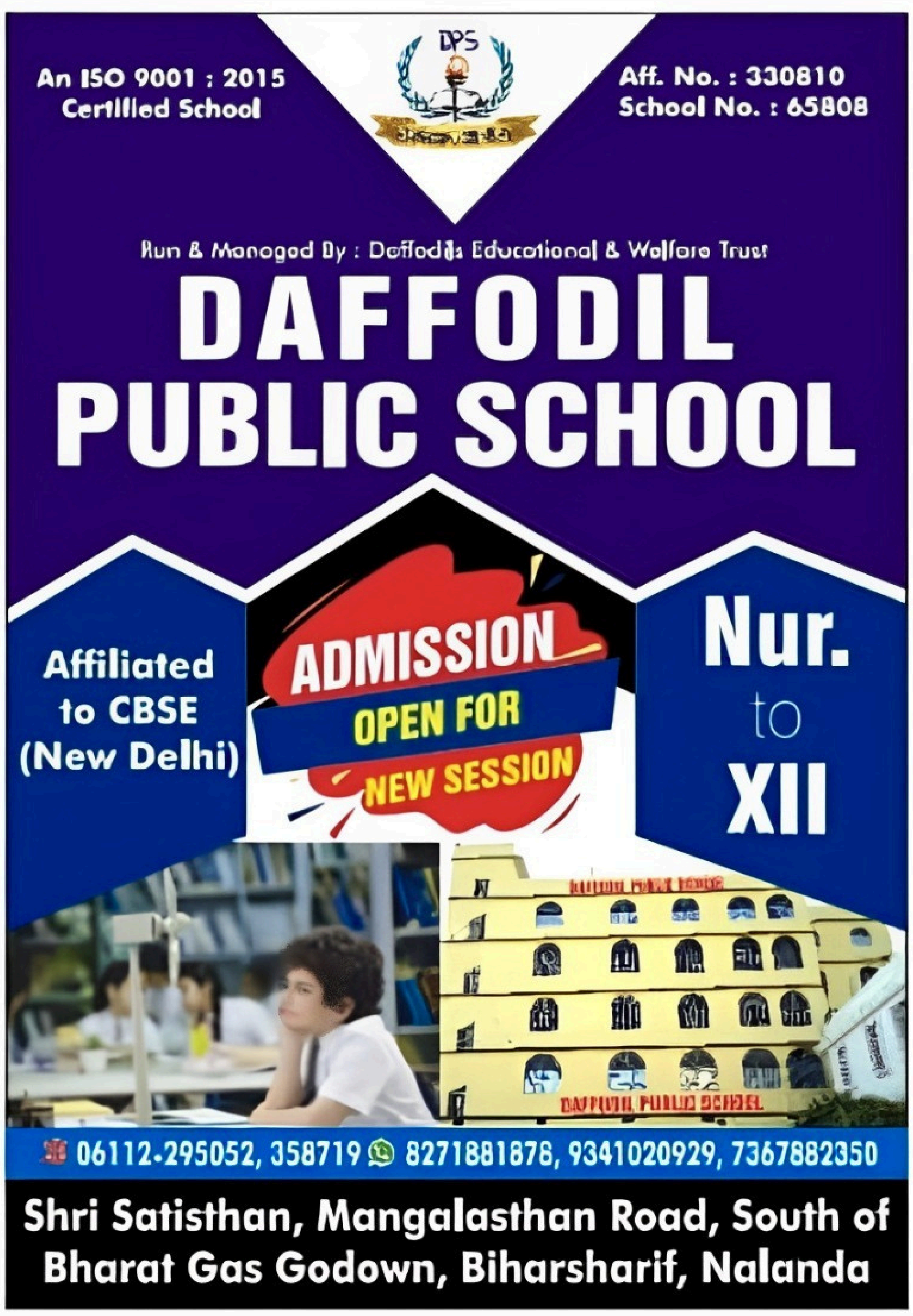

मोती की खेती सीखने सिलीगुड़ी रवाना हुए नालंदा के 40 किसान, 7 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। कृषि क्षेत्र में नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से नालंदा जिले के 40 प्रगतिशील किसानों को मोती की खेती के उन्नत प्रशिक्षण के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी भेजा गया है। यह सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। रविवार को जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा और उप परियोजना निदेशक आत्मा ने संयुक्त रूप से किसानों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को मोती उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराना है। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को तालाब प्रबंधन, सीप के चयन, ग्राफ्टिंग तकनीक, जल गुणवत्ता नियंत्रण तथा विपणन की जानकारी दी जाएगी। सिलीगुड़ी स्थित प्रशिक्षण केंद्र में विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को व्यावहारिक तथा सैद्धांतिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण में यह भी बताया जाएगा कि किसान कम लागत में मोती की खेती कर अधिक लाभ कैसे प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही मोती की गुणवत्ता सुधार, रोग प्रबंधन और बाजार से जुड़ने के तरीकों पर भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि मोती की खेती एक उभरता हुआ व्यवसाय है, जिससे कम समय में अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने इस पहल के लिए आत्मा नालंदा के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि वे प्राप्त ज्ञान को अपने गांवों में लागू कर अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

संपादकीय

जे पी चौधरी

दलित और आदिवासी धर्म परिवर्तन करता है तो अनुसूचित जनजाति लाभ नहीं मिलेगा

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐसा फैसला सुनाया जिसने सामाजिक न्याय की पूरी बहस को फिर से गरमा दिया है। अदालत ने साफ कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी और धर्म में जाने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत खो देता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पुराने आदेश को बरकरार रखते हुए आया, जिसमें गुंटूर जिले के चिंतादा आनंद नाम के एक पादरी की याचिका खारिज की गई थी। चिंतादा आनंद ने कुछ लोगों पर जातिगत गाली-गलौज और हमले का आरोप लगाते हुए एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन आरोपियों ने कहा कि वह तो दशक से ज्यादा समय से ईसाई धर्म अपनाकर पादरी का काम कर रहे हैं, इसलिए उन्हें अब वह संरक्षण नहीं मिल सकता। हाईकोर्ट ने इस दलील को माना और अब सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की पीठ ने भी वही रुख अपनाया। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता के ईसाई बनने और सक्रिय रूप से प्रार्थनाएं कराने के सबूत साफ हैं, इसलिए एससी का दर्जा खत्म माना जाएगा।यह फैसला कोई नया कानून नहीं बनाता, बल्कि 1950 के संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश की धारा 3 को दोहराता है। उस आदेश में लिखा है कि अनुसूचित जाति का दर्जा सिर्फ उन लोगों को मिलता है जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म मानते हैं। कोई अन्य धर्म अपनाने पर जन्म से मिला यह हक स्वतः खत्म हो जाता है। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि यह प्रतिबंध पूर्ण है, इसमें कोई छूट या अपवाद नहीं। चाहे व्यक्ति का जन्म किसी भी दलित परिवार में हुआ हो, अगर वह ईसाई या मुस्लिम बन जाता है तो वह अब अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रहता। ईसाई धर्म में जाति की कोई व्यवस्था नहीं मानी जाती, इसलिए जातिगत अत्याचार का कानून भी उस पर लागू नहीं होता। चिंतादा आनंद गांव में घर-घर रविवार की प्रार्थनाएं कराते थे, पादरी के रूप में काम करते थे। कोर्ट ने इन तथ्यों को देखते हुए कहा कि घटना के समय वह ईसाई धर्म का पालन कर रहे थे, इसलिए एससी-एसटी एक्ट के तहत शिकायत का आधार ही नहीं बनता।

इस फैसले की गहराई समझने के लिए हमें संविधान की मूल भावना को याद करना होगा। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और संविधान सभा ने अनुसूचित जाति को विशेष दर्जा इसलिए दिया क्योंकि हिंदू समाज में सदियों से छुआछूत और अस्पृश्यता का भयानक अन्याय चला था। यह दर्जा ऐतिहासिक दमन की याद दिलाता है, न कि किसी व्यक्तिगत पसंद का। 1950 का आदेश शुरू में सिर्फ हिंदुओं के लिए था। बाद में सिखों को 1956 में और बौद्धों को 1990 में शामिल किया गया क्योंकि इन धर्मों में भी जातीय संरचना बनी रही। लेकिन इस्लाम और ईसाई धर्म खुद को जातिविहीन बताते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई इनमें चला जाता है तो ऐतिहासिक पीड़ा का आधार भी खत्म हो जाता है। इसलिए आरक्षण, सरकारी नौकरियां, शिक्षा में सीटें, छात्रवृत्तियां और कानूनी सुरक्षा जैसे लाभ अब नहीं मिल सकते।फैसले के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या इससे धर्मांतरण रुकेगा? अनुच्छेद 25 के तहत धर्म बदलना हर भारतीय का मौलिक अधिकार है। कोई भी व्यक्ति अपनी आस्था बदल सकता है, प्रचार कर सकता है। लेकिन क्या यह अधिकार राज्य द्वारा दिए गए आरक्षण जैसे लाभों पर भी लागू होता है? सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया नहीं। लाभ उस धर्म में झेली गई पीड़ा से जुड़े हैं, न कि व्यक्ति की नई आस्था से। अगर कोई दलित ईसाई बनकर भी पुराना एससी सर्टिफिकेट दिखाकर फायदा उठाता रहे तो असली हिंदू दलितों का हक छिन जाएगा। कोटा सीमित है, संसाधन सीमित हैं।

नई आबादी जुड़ने से मौजूदा लाभार्थियों का हिस्सा कम हो जाएगा। राजनीति में भी असर पड़ेगा। आरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों का चरित्र बदल सकता है। जो लोग धर्म बदलकर लाभ लेते रहे, उनके लिए अब रास्ता बंद हो गया है।

जैतीपुर में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि, क्रांतिकारी विचारों को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा प्रखंड के काबा पंचायत स्थित जैतीपुर गांव में भाकपा माले और इंकलाबी नौजवान सभा की ओर से शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत की 95वीं वर्षगांठ के दूसरे दिन साप्ताहिक अभियान के तहत श्रद्धांजलि एवं संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंकलाबी नौजवान सभा के प्रखंड अध्यक्ष संजय पासवान ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान दर्जनों नौजवानों और भाकपा माले के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष संजय पासवान ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का सपना एक शोषणमुक्त और समानता आधारित समाज का निर्माण करना था। उन्होंने कहा कि आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और मिशन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।वहीं माले के कार्यालय सचिव दिनेश कुमार यादव ने कहा कि देश की आजादी के समय अंग्रेजों की मुखबिरी करने वाले लोग आज सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक और श्रम नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि इन नीतियों से किसान और मजदूर वर्ग प्रभावित हो रहा है।

साथ ही मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर करने का भी आरोप लगाया।

सभा में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों की भी निंदा की गई और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि मजदूर, किसान, छात्र और नौजवानों को भगत सिंह के आदर्शों पर चलकर संघर्ष को आगे बढ़ाना चाहिए, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौके पर चतुरी पासवान, कमलेश पासवान, निलेश मांझी, सुरेश बिंद समेत कई लोगों ने भी अपने विचार रखे।

छठ घाट पर भीड़ को देखते हुए पीएचसी बेन की चिकित्सा टीम तैनात

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेन की ओर से विशेष चिकित्सा व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए घाट परिसर में एंबुलेंस, डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती की गई थी।

छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु घाट पर अर्घ्य देने के लिए पहुंचे थे। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। पीएचसी बेन की टीम मौके पर मौजूद रहकर लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थी। इस दौरान एंबुलेंस भी घाट परिसर में तैयार रखी गई थी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत

मरीज को अस्पताल पहुंचाया जा सके। स्वास्थ्यकर्मी और अन्य कर्मी अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं की सहायता में लगे रहे।

प्रशासन की इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिली और छठ पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न होता दिखाई दिया।

पंकज पोखर छठ घाट पर उमड़ी आस्था की भीड़, डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित पंकज पोखर के पास बने प्रखंड के एकमात्र सूर्य मंदिर के सामने स्थित छठ घाट पर चैती छठ के अवसर पर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन व्रतियों ने पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया।इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और छठ व्रती छठ घाट पर पहुंचे। व्रतियों ने परंपरागत विधि-विधान के अनुसार घाट पर खड़े होकर डूबते सूर्य की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि तथा समाज की खुशहाली की कामना की। घाट परिसर में शाम होते ही भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं द्वारा गाए जा रहे छठ गीतों और मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

व्रतियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी पूजा-अर्चना में शामिल होकर इस पर्व की पवित्रता और आस्था को और अधिक जीवंत बना रहे थे।

छठ पर्व को विशेष बनाता है कि इसमें उगते हुए सूर्य के साथ-साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य अर्पित किया जाता है। यही परंपरा इस पर्व को अन्य त्योहारों से अलग बनाती है। श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से पंकज पोखर स्थित छठ घाट पूरी तरह सराबोर नजर आया।

छठ घाटों पर गूंजे लोकगीत, अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन मंगलवार की शाम व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य देव को पहला अर्घ्य अर्पित किया। लगभग 24 घंटे से निर्जला व्रत कर रहे श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य भगवान की आराधना की। इस दौरान हरनौत के माधोपुर-सबनहुआ छठ घाट, चेरो सूर्य मंदिर तालाब समेत अन्य तालाबों और पईन किनारों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

छठ घाटों पर शाम होते ही भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। व्रती और उनके परिवार के सदस्य घाटों पर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते नजर आए। सूर्यास्त के समय व्रतियों ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि तथा समाज की खुशहाली की कामना की।

पूरे क्षेत्र में छठ गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। "सवा लाख के साड़ी भींजे", "उगी हे दीनानाथ", "दुनो बेरा देहब ए मईया", "पटना के घाट", "बहंगी लचकत जाए" और "केरवा के पातवा पे नेवता" जैसे पारंपरिक छठ गीत घाटों और आसपास के इलाकों में लगातार गूंजते रहे।

बुधवार की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय चैती छठ पर्व का समापन होगा। अर्घ्य के बाद व्रती पारण कर व्रत समाप्त करेंगे।

ज्ञात हो कि चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाए जाने वाले पर्व को चैती छठ कहा जाता है, जबकि कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाने वाला पर्व कार्तिकी छठ कहलाता है। हालांकि कार्तिकी छठ की तुलना में चैती छठ कम लोग करते हैं, फिर भी क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

बरनौसा मध्य विद्यालय में हमारी पाठशाला के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता हुई आयोजित

राजगीर (अपना नालंदा)।मंगलवार को बिहार वॉटर डेवलपमेंट सोसायटी सेवा केंद्र कुर्जी द्वारा संचालित हमारी पाठशाला परियोजना फेज चार के बच्चों के बीच मध्य विद्यालय बरनौसा के प्रांगण में वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना विकसित करना और उनके शारीरिक व बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जागरूकता अभियान की सचिव एवं समाजसेवी अनिता गुप्ता ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है और जब मन स्वस्थ रहेगा तभी विद्यार्थी पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए कई रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें 100 मीटर दौड़, 50 मीटर दौड़, बैलून डांस, चम्मच पर गोली दौड़ और बॉम्ब विस्फोट प्रतियोगिता शामिल रही। प्रतियोगिता में बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा

का शानदार प्रदर्शन किया।इस आयोजन का संचालन हमारीपाठशाला परियोजना के समन्वयक एलॉयसियस ओस्ता और टीम सुपरवाइजर साहिल राज के नेतृत्व में किया गया। दोनों ने मिलकर प्रतियोगिता के सफल आयोजन और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशाद आलम ने उपस्थित बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और इस तरह के प्रेरणादायक आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है।

प्रतियोगिता के अंत में विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में हमारी पाठशाला फेज चार के शिक्षक किरण कुमारी, भीम पासवान, फिरोज कुमार, रूपा कुमारी, संगीता कुमारी, सुनीता कुमारी और शिवानी कुमारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर बिहारशरीफ के कई स्थान अस्थायी नो फ्लाई जोन घोषित

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा जिले में 26 मार्च को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के समृद्धि यात्रा कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मुख्यमंत्री के बिहारशरीफ भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सभी निर्धारित स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री 26 मार्च को समृद्धि यात्रा के क्रम में बिहारशरीफ का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नालंदा द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।सुरक्षा के दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थलों को अस्थायी रूप से रेड जोन तथा नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है।प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के ड्रोन, हॉट एयर बैलून, पैरामोटर, पैराग्लाइडर, पावर्ड हैंड ग्लाइडर सहित अन्य गैर पारंपरिक उड़ने वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा।जिन स्थानों को अस्थायी रेड जोन घोषित किया गया है उनमें दीपनगर स्टेडियम, पंचाने नदी रिवर फ्रंट, कोसूक नदी क्षेत्र तथा भराव स्थित फ्लाईओवर शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निगरानी रखी जाएगी।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी बिहारशरीफ तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिहारशरीफ-01 को निर्देश दिया गया है कि वे आदेश का अक्षरशः अनुपालन कराते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावी बनाएं।

सरकारी दर पर गेहूं खरीद पहली अप्रैल से, तीन केंद्र किए गए चयनित

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र में गेहूं की फसल अब खेतों में पककर तैयार हो गई है और किसान कटाई की तैयारी में जुट गए हैं। कृषि विभाग के अनुसार इस वर्ष प्रखंड में लगभग 9,700 हेक्टेयर भूमि में गेहूं की खेती की गई है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में हुई बे-मौसम बारिश और तेज आंधी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी थी। कई स्थानों पर तेज हवा के कारण गेहूं की फसल झुक भी गई थी। यदि दोबारा ऐसी स्थिति बनती है तो इससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ने की आशंका है।

इधर सहकारिता विभाग द्वारा किसानों से सरकारी दर पर गेहूं की खरीद की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने मंगलवार को बताया कि एक अप्रैल से किसानों से गेहूं की खरीद शुरू कर दी जाएगी। इस वर्ष गेहूं की खरीद 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रखंड में गेहूं खरीद के लिए दो पैक्स—पोआरी और सुढ़ारी—तथा एक व्यापार मंडल का चयन किया गया है। हालांकि अभी तक खरीद का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है और इसकी प्रक्रिया जारी है। गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से 15 जून तक की जाएगी।बीसीओ ने बताया कि रैयत किसानों से अधिकतम 150 क्विंटल तथा गैर रैयत किसानों से 50 क्विंटल तक गेहूं की खरीद की जाएगी। इसके लिए किसानों को पहले निबंधन कराना होगा। खरीद के बाद किसानों के खाते में 48 घंटे के भीतर भुगतान करने का निर्देश पैक्स और व्यापार मंडलों को दिया गया है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, नालंदा में फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में 23 मार्च 2026 को ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय भवन में फील्ड ट्रेनरों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सह अपर जिला जनगणना पदाधिकारी नवल किशोर रजक ने किया।

इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न चार्जों के फील्ड ट्रेनर भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनरों की टीम द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना निदेशालय के नोडल पदाधिकारी नालंदा सह मुख्य प्रशिक्षक नवीन कुमार ने बताया कि आगामी जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसके तहत प्रगणक मोबाइल फोन के माध्यम से विशेष अनुप्रयोग का उपयोग कर 2 मई से 31 मई 2026 के बीच घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे।उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 33 प्रकार की जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसमें मकान के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, मकान का स्वामित्व, परिवार के सदस्यों की संख्या, मकान का उपयोग, पेयजल का स्रोत, शौचालय की उपलब्धता, ईंधन के साधन तथा वाहन की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं।

प्रशिक्षण में स्व-गणना की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि 17 अप्रैल से 1 मई 2026 के बीच नागरिक वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद पर्यवेक्षक द्वारा सत्यापन कर अंतिम रूप से जानकारी को जमा किया जाएगा।जिला प्रशासन आम लोगों से जनगणना के प्रथम चरण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक स्व-गणना करने की अपील कर रहा है।

हरनौत में कोरस म्यूजिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो का उद्घाटन, स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मंच

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय बाजार के चंडी रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया कार्यालय वाले भवन के ऊपर सोमवार को कोरस म्यूजिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह तथा नगर जदयू प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर स्टूडियो का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सुरेश सिंह ने कहा कि हरनौत जैसे छोटे शहर में आधुनिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो का खुलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे इलाके के युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा को निखारने और आगे बढ़ाने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले कलाकारों को गानों की रिकॉर्डिंग के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर ही यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।वहीं जदयू प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार ने कहा कि इस तरह की पहल से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार और रचनात्मक अवसर मिलेंगे। उन्होंने स्टूडियो के संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि यह स्टूडियो क्षेत्र के कलाकारों के लिए एक बेहतर मंच साबित होगा।

रिकॉर्डिंग स्टूडियो के मैनेजर समीर सिंह ने बताया कि कोरस म्यूजिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो में मुख्य रूप से भोजपुरी और मगही गीतों की रिकॉर्डिंग की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के प्रचार-प्रसार से संबंधित ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स का भी कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्टूडियो को आधुनिक तकनीक और बेहतर साउंड सिस्टम से सुसज्जित किया गया है, जिससे कलाकारों को उच्च गुणवत्ता की रिकॉर्डिंग सुविधा मिल सकेगी। इस मौके पर स्थानीय लोगों और कलाकारों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छठ व्रतियों की सुविधा के लिए रेड क्रॉस ने लगाया दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

हिलसा (अपना नालंदा)। लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए शहर के सूर्य मंदिर तालाब परिसर में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की उप जिला शाखा हिलसा के तत्वावधान में मंगलवार से दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी अमर कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में छठ व्रती तथा स्थानीय लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और चिकित्सीय सेवाओं का लाभ उठाया। उपस्थित चिकित्सकों ने व्रतियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही छठ व्रत के दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखने से संबंधित आवश्यक सलाह भी दी गई।रेड क्रॉस की ओर से छठ घाटों पर उमड़ने वालीभीड़ और व्रतियों की कठिन साधना को ध्यान में रखते हुए यह विशेष पहल की गई है। शिविर में प्राथमिक उपचार के साथ-साथ ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में व्रतियों को तुरंत चिकित्सीय सहायता मिल सके।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर नगर अध्यक्ष धनंजय कुमार, समाजसेवी ऐके मानव, मैनेजिंग कमेटी के अध्यक्ष राज किशोर प्रसाद, कार्यपालक पदाधिकारी रविशंकर कुमार, अभिजीत कुमार, सुरेश प्रसाद, शिवेंद्र कुमार उर्फ आलोक, गणेश रजक, धर्मेंद्र कुमार और सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।अतिथियों ने रेड क्रॉस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छठ जैसे बड़े और आस्था से जुड़े पर्व पर इस प्रकार का स्वास्थ्य शिविर व्रतियों और आम लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

लड़ौवा सामुदायिक भवन में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, तीन सौ लोगों ने लिया लाभ

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)।मखदुमपुर प्रखंड के लड़ौवा स्थित सामुदायिक भवन में मंगलवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एरिस्टो फार्मा के सीएसआर विभाग एरिशमा चेरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई द्वारा जीएसएसजी संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

शिविर का आयोजन एरिस्टो फार्मा के प्रबंध निदेशक उमेश शर्मा उर्फ भोला बाबू के दिशा-निर्देशन में किया गया। इस दौरान लगभग 300 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निशुल्क उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में सामान्य रक्त जांच सहित अन्य आवश्यक जांच की भी व्यवस्था की गई थी, जिससे लोगों को काफी राहत मिली।

स्वास्थ्य शिविर में मेदांता अस्पताल, पटना के जनरल फिजिशियन डॉक्टर मुकेश कुमार और साईं नेत्रालय, पटना के नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील कुमार ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। दोनों डॉक्टरों ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।

इस शिविर का सफल संचालन एरिस्टो फार्मा के सीएसआर वरिष्ठ प्रबंधक राहुल कुमार की निगरानी में किया गया। आयोजन में एरिस्टो फार्मा के सीएसआर विभाग से अनुराग गुंजन, सुधांशु कुमार और कुंदन कुमार ने सक्रिय सहयोग दिया। वहीं जीएसएसजी संस्था के सचिव रामाशंकर शर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर से गांव के जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलती है। आयोजकों ने बताया कि आगे भी विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251